पाक्षिक प्लान गणित **(** कक्षा **1** से **2** के प्रारंभिक स्तर से आगे बढ़ते हुये **,** प्रत्येक दिन हेतू संभावित आधा घंटे की योजना **)**						
दिन	सीखने के प्रतिफल	सीखने के प्रतिफल के चरण	पूर्व तैयारी	सहायक सामग्री	गतिविधि-कैसे करना है।	**नोट**
1	दो अंको की संख्या तक संख्या बोध	संख्या को बोलना	संख्याओं के लिये अंक कार्ड ड्राईंग शीट की छोटे टुकड़ों की मदद से संचालक साथियों को स्वयं व बच्चों की मदद हाथ से बनाना होगा। मोहल्ला क्लास में बच्चों के गिनने के लिये स्थानीय स्तर पर गिनने के अभ्यासों के लिये उपलब्ध सामग्री जैसे कंकड़-पत्थर, सीताफल के बीज, तीलियॉ आदि पर्याप्त मात्रा में केन्द्र पर रखना होगा।	गिनमाला, कंकर-पत्थर, तीली-बंडल, बोतल के ढक्कन, सीताफल के बीज	गिनती को बोलने के अभ्यास करवाना, गिनती गीत, कविता, के माध्यम से	आठ दिनों के लिये गतिविधियॉ दी गयी है, यह केवल प्रारंभिक स्तर के बच्चों के लिये है। बच्चों के स्तर के आधार पर पर आगामी दिनों की गतिविधियों पर जा सकते है, वहीं बच्चों के स्तर के अनुसार एक ही गतिविधि पर बच्चों को एक दिन से अधिक समय भी लगना स्वाभाविक है। इसलिये बच्चों की गति के अनुसार एक गतिविधि पूरी हो जाने पर ही दूसरी गतिविधि पर जायें। यहॉ पर सुझायी गयी गतिविधियॉ एक तरीका है, आप इनसे मिलते-जुलते तरीकों या गतिविधियों का इस्तेमाल कर सकते है। खुशी-खुशी कि किताबों में इस तरह के अभ्यास दिये गये है।
2		एक से एक संगति			हर बोली गयी संख्या का वस्तु से रिश्ता, चित्रों या वस्तुओं पर उंगली रख-रखकर गिनती बोलने का अभ्यास	
3		गिनना			पहले 1 से 9 फिर स्तरानुसार आगे बढ़ते हुये मूर्त रूप से, चित्रों और प्रतीकों की मदद से गिनने के अभ्यास	
4		संख्या प्रतीक चिन्ह की पहचान			बोली गयी संख्या के साथ संख्या कार्ड की मदद से उनके प्रतीकों की पहचान करना, गिनमाला पर क्लिप 1 गतिविधि की मदद लगाये गये क्लिप पर संख्या की पहचान व उस पर सही संख या कार्ड लगाना	
5		तुलना - ज्यादा व कम			परिवेश में उपलब्ध सामग्रियों व उदाहरणों की मदद से छोटा-बड़ा, पास-दूर, कम-ज्यादा का अभ्यास	
6		एक आगे व एक पीछे की संख्या			दी गयी संख्या से एक अधिक व एक कम संख्या, बोलना व समझने का अभ्यास	
7		कॉर्डीनेलिटी - कुल कितने			बच्चों को कुछ वस्तुएं, कंकड़ गिनने के लिये दना, और गिनते समय आखिरी बोली गयी संख्या ही उस समूह की कुल मात्रा को बताती है, इसके अभ्यास करना	
8		आर्डीनेलिटी - समूह में स्थिति			कंकड़ों को एक रेखा मे जमाना, और बच्चों से दूसरा, चौथा, बारहवां ..... कंकड़ उठाने को कहना। और यह ध्यान देना कि बच्चा बोली गयी संख्या के आधार पर कंकड़ को उठा पा रहा है या नहीं।	
9	जोड़	एक साथ मिलाकर जोड़ना	छोटी छोटी लकड़ियों के तीली बंडल बना ले, कागज के गत्ते या लकड़ी के कम से कम दो पाशे बना ले |	कंकड़, गिनमाला, बीज, पाठ्य पुस्तक तीली बंडल, नकली नोट, पाशा	कंकड़, बीज या गिनमाला के मोतियों के दो समूहों को मिला कर बच्चों से जोड़कर गिनने को बोलना जैसे 4 कंकडों का एक समूह और 5 कंकडों का एक समूह दोनों को एक साथ मिला दिया तो कितना होगा इसी तरह 2 बच्चो का एक समूह और 5 बच्चो का एक समूह दोनों को एक साथ मिलाने पर कुल कितने बच्चो का समूह हो गया | संभव हो तो बच्चो से कापी पर लिखवायें भी |	छह दिनों के लिये गतिविधियॉ दी गयी है, यह केवल प्रारंभिक स्तर के बच्चों के लिये है। बच्चों के स्तर के आधार पर पर आगामी दिनों की गतिविधियों पर जा सकते है, वहीं बच्चों के स्तर के अनुसार एक ही

10		गिनकर जोड़ना		गिनमाला या कंकडो के समूह बनाकर अलग अलग समूहों में गिनती करते हुए जोड़ना जैसे एक समूह में 3 कंकड़ व दुसरे समूह में 4 कंकड़ है तो दोनों को बिना मिलाये 1,2,3... करते हुए जोड़ना फिर अंत में एक साथ रख देना | इस तरह के अभ्यास बच्चों की पाठ्यपुस्तक में दिए गए है उनका अभ्यास करवाना |	गातावाध पर बच्चा का एक दिन से अधिक समय भी लगना स्वाभाविक है। इसलिये बच्चों की गति के अनुसार एक गतिविधि पूरी हो जाने पर ही दूसरी गतिविधि पर जायें। यहॉ पर सुझायी गयी गतिविधियॉ एक तरीका है, आप इनसे मिलते-जुलते तरीकों या गतिविधियों का इस्तेमाल कर सकते है। खुशी-खुशी कि किताबों में इस तरह के अभ्यास दिये गये है।
11		आगे गिनते हुए जोड़ना		पांसे के माध्यम से या मौखिक संख्याएं बोलकर बच्चों से 1,2,3,4... करते हुए आगे की गिनती करवाते हुए जोड़ करवाना जैसे पासे में एक बार 2 आया फिर दूसरी बार 7 आया तो 2 के बाद 7 संख्याये गिनते हुए 9 तक पहुचना साथ ही इन सभी संख्याओं को कापी पर लिखवाकर जोड़ करवाने के प्रयास की ओर बढ़ना। पहली कक्षा के बच्चों को लिखवाने के अभ्यास कम से कम दें।	
12		संख्या में शून्य जोड़ना		बच्चों से किसी भी संख्या में शून्य जोड़ने के व शून्य में किसी संख्या के जोड़ने के अभ्यास करवाना जैसे पासे में शून्य बनाकर उससे शून्य के जोड़ के अभ्यास करवा सकते है |	
13		पुनर्समुहन से हासिल सहित जोड़ना		तीली बंडल व नोटों के माध्यम से हासिल वाले जोड़ पर काम करवाना |	
14		दैनिक जीवन की समस्याओं में जोड़ना		दैनिक जीवन के विभिन्न समस्याओं के इबारती सवाल बनाकर उनके अभ्यास करवाना जैसे 5 रूपए की बिस्किट, 7 रूपए की नमकीन और 4 रूपए की चाकलेट खरीदने पर दुकानदार को कुल कितने पैसे देने होंगे |	
15		दैनिक जीवन की विभिन्न परिस्थितियों में जोड़ना		दैनिक जीवन की विभिन्न परिस्थितियों से जुड़े इबारती सवाल बनाकर बच्चो से अभ्यास करवाना |	
16		कम करके गिनना (बिना हासिल)		इसके अंतर्गत पाशा फेककर या पाठ्य पुस्तक में दी गई संख्याओं के अनुसार कंकड़ के कुछ ढेर बनाकर उनमे से बोली गई संख्या के आधार पर कंकडो को गिनकर अलग करने को कहे तथा बचे हुए कंकड़ का बच्चों को अंदाजा लगाने को कहे फिर उनसे गिनवाए |	

17		कम करके शेष गिनना (बिना हासिल)	छोटी छोटी लकड़ियों के बंडल बना ले व कागज के छोटे छोटे कार्डो से नकली नोट बना ले |	कंकड़, गिनमाला, बीज, पाठ्य पुस्तक, तीली बंडल, नकली नोट आदि |	इसके अंतर्गत पाशा फेककर या पाठ्य पुस्तक में दी गई संख्याओं के अनुसार कंकड़ के कुछ ढेर बनाए फिर बच्चों से पाशा फेकने को कहे फिर पाशे में आई संख्या के आधार पर कंकडो को गिनकर अलग करने को कहे तथा बचे हुए कंकड़ उनसे गिनवाए | साथ ही इस प्रक्रिया में जितनी भी संख्याएँ a रही है श्यामपट (black board) या कॉपी पर लिखकर बच्चो को बतये व् बच्चों से भी लिखवायें |	
18		दैनिक जीवन की समस्याओं पर आधारित घटाना			दैनिक समस्याओं से सम्बंधित इबारती सवाल बनाकर बच्चों से पूछे जैसे- एक टोकरी में 6 रोटी रखी है उनमे से 2 रोटी कुत्ता ले गया तो उसमे कुल कितनी रोटियाँ बची |	
19	घटाना	दो अंको की संख्या में घटाना (बिना हासिल)			तीली बंडल व नोटों के माध्यम से बिना हासिल वाले घटा पर काम करवाना |	

पाक्षिक प्लान गणित **(** कक्षा **3** से **5** के प्रारंभिक स्तर से आगे बढ़ते हुये **,** प्रत्येक दिन हेतू संभावित आधा घंटे की योजना **)**						
दिन	सीखने के प्रतिफल	सीखने के प्रतिफल के चरण	पूर्व तैयारी	सहायक सामग्री	गतिविधि-कैसे करना है।	**नोट**
1	तीन अंकों की संख्या बोध	1 से 999 तक की संख्याओं को गिनना, पढ़ना, लिखना	1. यह ध्यान देना कि बच्चें ने दो अंकों की संख्याओं के संदर्भ में सभी चरणों को पूरा कर लिया है। सभी चरणों से मतलब है, संख्या नाम, संख्या प्रतीक, उसकी मात्रा, एक से एक संगति, संख्या के मानो की तुलना (बड़ा- छोटा, पहले व बाद की संख्या, समूहों में गिनना व संख्याओं की मात्रात्मक समझ), कॉर्डीनेलिटी व ऑर्डीनेलिटी यदि इनमें से किसी भी चरण में बच्चों को दिक्कत आ रही हो तो दों अंको की संख्या के साथ इसके पूर्व अभ्यास कराये जाने चाहिये। 2. संख्याओं के लिये अंक कार्ड व स्थानीय मान कार्ड को संचालक साथियों को ड्राईंग शीट पर स्वयं व बच्चों की मदद हाथ से बनाना होगा।	गिनमाला, कंकर- पत्थर, , तीली-बंडल,	गिनमाला पर क्लिप 1 गतिविधि - जिस जगह पर टेग लगा हो उस संख्या को बताने का कहना। दो अंको की संख्या के लिये अभ्यास	आठ दिनों के लिये गतिविधियॉ दी गयी है, यह केवल प्रारंभिक स्तर के बच्चों के लिये है। बच्चों के स्तर के आधार पर पर आगामी दिनों की गतिविधियों पर जा सकते है, वहीं बच्चों के स्तर के अनुसार एक ही गतिविधि पर बच्चों को एक दिन से अधिक समय भी लगना स्वाभाविक है। इसलिये बच्चों की गति के अनुसार एक गतिविधि पूरी हो जाने पर ही दूसरी गतिविधि पर जायें। यहॉ पर सुझायी गयी गतिविधियॉ एक तरीका है, आप इनसे मिलते-जुलते तरीकों या गतिविधियों का इस्तेमाल कर सकते है। खुशी-खुशी कि किताबों में इस तरह के अभ्यास दिये गये है।
2					गिनमाला पर क्लिप 2 गतिविधि - बोली गयी संख्या पर क्लिप लगाना, दो अंको की संख्या के लिये अभ्यास	
3					पिटारा संख्या कार्ड की मदद/ या हाथ से बनाए गए कार्ड से तीन अंको तक की संख्या को बनाना, और दो अंकों की संख्या के लिये बिन्दी की मदद से गिनना व संख्या प्रतीक के साथ उसका संबंध	
4					गिनमाला, तीली-बंडल की मदद से 2, 3, 5 व 10 के समूहों में गिनती करने के अभ्यास, तीन अंक तक की संख्याओं के लिये	
5		1 से 999 तक की संख्याओ की मात्रात्मक समझ, इकाई, दहाई व सैकड़ा की समझ			बोली गयी संख्या को सामग्री की मदद से बनाना व लिखकर बताना	
6				पीले वाले स्थानीय मान कार्ड	कार्डो की मदद से संख्या को बनाना	
7					संख्या बन जाने पर उसके विस्तारित रूप को लिखना व बताना	

8					संख्याओं को मौखिक रूप से बोलकर बच्चों से अंको व हो सकें तो शब्दों में लिखाने के अभ्यास	

पाक्षिक प्लान गणित **(** कक्षा **6** से **8** के प्रारंभिक स्तर से आगे बढ़ते हुये **,** प्रत्येक दिन हेतू संभावित आधा घंटे की योजना **)**						
दिन	सीखने के प्रतिफल	सीखने के प्रतिफल के चरण	पूर्व तैयारी	सहायक सामग्री	गतिविधि-कैसे करना है।	**नोट**
1	संख्या बोध	संख्या को अंको में लिखना	बच्चों के स्तर के अनुसार बच्चों के साथ 3 से 5 अंको तक की संख्याओं को चुनना होगा। यह ध्यान देना जरूरी है कि यहां पर बच्चों की कक्षा 6 से 8 के स्तर की तैयारी की जा रही है, तो बच्चों को साथ इन अभ्यासों के पहले यह जरूर देंख लें कि बच्चें 2 या 3 अंकों की संख्या बोंध के साथ सहज है या नहीं। आपके इसी अवलोकन के आधार पर आप हर बच्चें के साथ संख्याओं को चुनाव करेंगे। और यह चुनाव सरल से कठिन की ओर होगा। जैसे पहले बच्चों को 200, 212 जैसी सरल संख्याएं और फिर 673 या 1043 आदि दी सकती है।	कार्ड शीट, स्कैच पेन, स्थानीय मान कार्ड का सेट, ए-4 आकार की कार्ड शीट पर जोड़ना, घटाना, गुणा व भाग के सवालों के सेट, जिन्हें केन्द्र संचालक साथी पहले से तैयार करके रख लें। और समूहों में बच्चों को इन सवालों को हल करने के लिये देना होगा। एक कार्ड शीट पर कम से कम 5 सवाल जरूर हों।	बच्चों के स्तर के अनुसार संख्याओं को बोलें, और बोली गयी संख्याओ को बच्चों से लिखवाने का अभ्यास करना	आठ दिनों के लिये गतिविधियॉ दी गयी है, यह केवल प्रारंभिक स्तर के बच्चों के लिये है। बच्चों के स्तर के आधार पर पर आगामी दिनों की गतिविधियों पर जा सकते है, वहीं बच्चों के स्तर के अनुसार एक ही गतिविधि पर बच्चों को एक दिन से अधिक समय भी लगना स्वाभाविक है। इसलिये बच्चों की गति के अनुसार एक गतिविधि पूरी हो जाने पर ही दूसरी गतिविधि पर जायें। यहॉ पर सुझायी गयी गतिविधियॉ एक तरीका है, आप इनसे मिलते-जुलते तरीकों या गतिविधियों का इस्तेमाल कर सकते है। इबारती सवालों के लिये आप एकलव्य की खुशी-खुशी या राज्य शिक्षा केन्द्र की गणित की किताबों का भी उपयोग कर सकते है।
2		संख्या को शब्दों में लिखना			स्तरानुसार संख्याओं को बोलना और उन संख्याओं को शब्दों में लिखवाने का अभ्यास करवाना	
3		इकाई, दहाई, सैकड़ा, हजार की पहचान			संख्याओं के अभ्यास के बाद स्थानीय मान की तरफ बढ़ते हुये संख्या में इकाई, दहाई, सैकड़ा व हजार की पहचान के अभ्यास करना। जैसे 123 में कितनी इकाई, कितनी दहाई व कितने सैकड़ा है। एक सैकड़ा का मतलब 100, दो सैकड़ा का मतलब 200 इसी तरह से दहाई व सैकड़ा के लिये भी अभ्यास करना ।	
4		संख्या का विस्तारित रूप			स्थानीय मान के आधार पर संख्याओं के विस्तारित रूप के लिये अभ्यास करना, जैसे 1342 = 1000+300+40+2	
5		जोड़ना			बच्चों के स्तर के अनुसार सवाल जिसमें साधारण, इबारती व मौखिक इन तीनों प्रकार के सवालों का मिश्रण होगा। इसके लिये स्कूल की किताबों में दिये गये अभ्यास की मदद भी ले सकते है। साथ ही बच्चों के लिये कार्ड शीट पर सवाल भी तैयार किये जा सकते है। बच्चें इन अभ्यासों को अपने समूहों में बैठकर हल करें, और एक दूसरे के साथ सांझा करें व एक दूसरे की मदद करें। शिक्षक सीधे सवालों के जवाब देने की जगह पर प्रति प्रश्न के द्वारा उन्हें दिशा देने में मदद करें। जैसे बच्चें ने 26+ 27 = 413 लिख दिया है, तो इसे गलत कहने की जगह पर बच्चें से पूछें कि 26 और 27 दोनो संख्याएं यदि 30 से छोटी है तो क्या इन्हें जोड़ने पर 400 जैसी संख्या आ सकती है। बच्चों को एक दूसरे से मदद लेने के लिये प्रोत्साहित करें।	
6		घटाना				
7		गुणा				
8		भाग				